

भारत और वियतनाम नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की दिशा में आसियान के साथ मिलकर काम कर रहे हैं: लोक सभा अध्यक्ष

...

मजबूत भारत-वियतनाम रक्षा सहयोग अंतरराष्ट्रीय शांति व क्षेत्रीय सुरक्षा में योगदान देगा: लोक सभा अध्यक्ष

...

भारत और वियतनाम में चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों के बीच आपसी सहयोग की लंबी परंपरा रही है: लोक सभा अध्यक्ष

...

लोक सभा अध्यक्ष ने वियतनाम के राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री और नेशनल असेम्बली के अध्यक्ष से मुलाकात की

...

भारतीय संसदीय शिष्टमंडल तीन दिवसीय यात्रा पर हनोई, वियतनाम पहुंचा

...

**हनोई, 19 अप्रैल, 2022:** लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला, जो वियतनाम की तीन दिवसीय यात्रा पर गए भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं, आज हनोई पहुंचे। अपनी यात्रा के पहले दिन श्री बिरला ने वियतनाम के राष्ट्रपति महामहिम श्री गुयेन जुआन फुक; प्रधान मंत्री महामहिम श्री फाम मिन्ह चिन और वियतनाम की नेशनल असेम्बली के अध्यक्ष महामहिम श्री वुओंग दीन्ह ह्यू से मुलाकात की।

वियतनाम के राष्ट्रपति महामहिम गुयेन जुआन फुक के साथ अपनी बैठक में श्री बिरला ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध 2016 में एक "कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप " में बदले। उन्होंने आगे कहा कि जाइंट वर्सन ऑफ पीस एंड प्रोस्पेरिटी को श्री गुयेन जुआन फुक और प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2021 में अनुमोदित किया गया था। श्री बिरला ने उल्लेख किया कि व्यापक रणनीतिक साझेदारी में राजनीतिक संबंध, व्यापार और निवेश , ऊर्जा सहयोग, विकास के लिए साझेदारी और रक्षा सहयोग शामिल हैं।

श्री बिरला ने कहा कि भारत और वियतनाम के बीच चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों में आपसी सहयोग की लंबी परंपरा रही है और कोविड-19 महामारी के विरुद्ध संघर्ष में, दोनों ने एक दूसरे की सहायता की है। श्री बिरला ने आगे कहा कि भारत और वियतनाम के आर्थिक संबंधों में पिछले कुछ वर्षों में वृद्धि हुई है तथा कोविड महामारी के कारण हुए व्यवधान के बावजूद, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार पिछले वर्ष 13 बिलियन डॉलर से अधिक रहा।

श्री बिरला ने यह भी उल्लेख किया कि दोनों देशों के बीच सामान्य हितों पर आधारित रक्षा साझेदारी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ी है तथा रक्षा प्रौद्योगिकी और तकनीकी सहयोग सहित नए क्षेत्रों में विस्तारित हुई है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भारत और वियतनाम के बीच मजबूत द्विपक्षीय रक्षा सहयोग अंतरराष्ट्रीय शांति, क्षेत्रीय सुरक्षा और समृद्धि में योगदान देगा।

श्री बिरला ने वियतनाम के प्रधान मंत्री महामहिम फाम मिन्ह चिन से भी मुलाकात की और द्विपक्षीय मामलों पर व्यापक चर्चा की। आर्थिक और व्यापार सहयोग के बारे में बोलते हुए श्री बिरला ने कहा कि भारतीय निवेशकों की वियतनाम में गहरी दिलचस्पी है। उन्होंने प्रधान मंत्री से उनके लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाने का आग्रह किया जिससे निवेश को प्रोत्साहित किया जा सके।

श्री बिरला ने आगे कहा कि भारत और वियतनाम ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सदस्यों के रूप में वैश्विक मुद्दों को उठाने में एक-दूसरे का सहयोग किया है। उन्होंने कहा कि दोनों देश स्वतंत्र, शांतिपूर्ण, समृद्ध, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र की दिशा में आसियान के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने टिप्पणी की कि इंडो-पैसिफिक ओशन इनिशिएटिव (आईपीओआई) और इंडो-पैसिफिक (एओआईपी) पर आसियान के आउटलुक के माध्यम से इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और सहयोग बढ़ा है।

इससे पहले, श्री बिरला का वियतनाम की नेशनल असेंबली में एक पारंपरिक समारोह में स्वागत किया गया जहां उन्होंने नेशनल असेंबली के अध्यक्ष महामहिम श्री वुओंग दिन्ह ह्यू से बातचीत की।

नियमित द्विपक्षीय संसदीय आदान-प्रदान पर जोर देते हुए, श्री बिरला ने कहा कि नियमित दौरे विचारों को साझा करने और विधायी सहयोग को मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि इस उद्देश्य के लिए नियमित पारस्परिक आदान-प्रदान के माध्यम से दोनों देशों की संसदों के बीच आपसी संबंधों को एक नया आयाम प्रदान करने के लिए भारत-वियतनाम मैत्री समूह का गठन किया जा रहा है।